न्यायियों 3

परमेश्वर का दास मूसा, जसिने पूरे मन से इस्राएलियों को परमेश्वर का अनुसरण करने के लिए अगवाई कि थी, उसकी मृत्यु हो चुकी है।
उसके बाद उसका दास यहोशू आया। परन्तु अब यहोशू की अगवाई को 250 वर्ष बीत चुके हैं।
प्रत्येक पीढ़ी में, जब-जब इस्राएलियों ने परमेश्वर का अनुसरण करने से अपना मुँह फेरा, तब-तब उसने उनको उनके शत्रुओं का आहार बनाया।
परमेश्वर हमारी सहायता कर!
लेकनि जब भी वे पुकारते थे, वह एक छुटकारा दलिाने वाले को भेजता था - एक न्यायी।

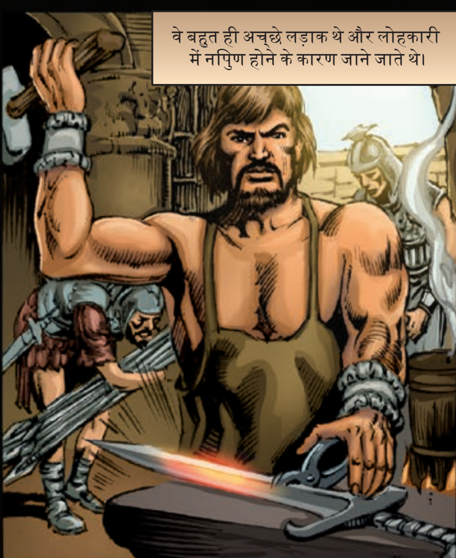

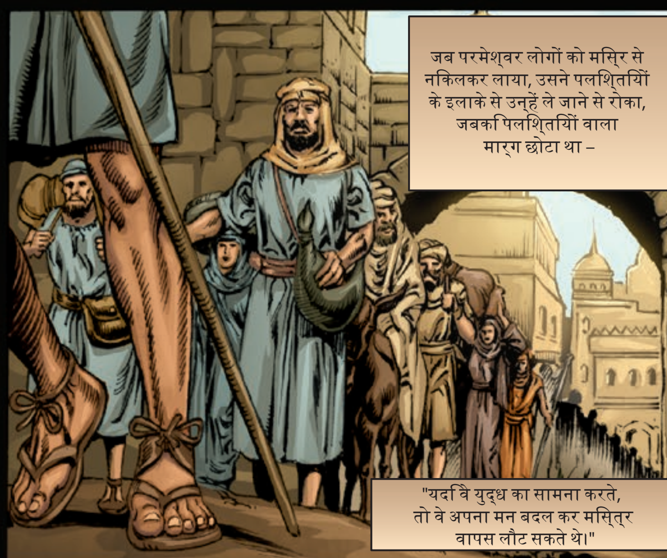

नरि्गमन 13:17, न्यायियों 13:1-2

आह!
तू बाँझ है और बनिा बच्चे के है, परन्तु अब तू गर्भवती होगी और तेरे बेटा होगा।
अब तुझे सावधान रहना है, कनि तो तू दाखमधु या और कसिी भाँता की मदरिा पीए... क्योंकि तू गर्भवती होगी और तू एक बेटे को जन्म देगी।
उसके सरि पर छुरा नहीं लगाना है, क्योंकि यह लड़का नाज़ीर बनेगा, यह जन्म से ही परमेश्वर के लिए चुना गया है--
"-- और वह इस्राएलियों को पलश्तियों के हाथ से छुड़ाने की शुरुआत करेगा।"

न्यायियों 13:3-5

उसकी पत्नी ने उसे दैवीय दर्शन के बारे में बताया।
हे परमेश्वर, मैं तुझ से आग्रह करता हूँ, जसि परमेश्वर के जन को तूने भेजा था उसे फरि से हमारे पास आने दे ताकि वह हमें यह बताएँ कि आने वाले बच्चे की परवरशि कैसे करनी है।
परमेश्वर ने मानोह को सुना, और परमेश्वर का दूत दुबारा आया, लेकनि मानोह अपनी पत्नी के साथ नहीं था।
वह यहाँ है!
वह व्यक्ति जो मेरे सामने उस दनि प्रकट हुआ था!
क्या तू वही है जसिने मेरी पत्नी से बात की थी?
हाँ, मैं वही हूँ।
जब तेरे वचन पूरे हो जाएँ तो, उस बालक के जीवन और कार्यों को लेकर क्या नयिम होंगे?

न्यायियों 13:6-14

तेरी पत्नी को वो सब करना है जो मैंने उसे करने के लिए कहा है। उसे कोई ऐसी वस्तु नहीं खानी है जो दाखलता से उत्पन्न होती है, और दाखमधु या कसिी भी प्रकार की मदरिा ग्रहण नहीं करना है, और उसे कसिी भी अशुद्ध वस्तु का सेवन भी नहीं करना है।
उसे मेरे द्वारा दिए गए आज्ञा का पालन करना है।
हम चाहते है कि तू यहाँ तब तक रुके जब तक हम तेरे लिए बकरी का एक बच्चा पकाकर तैयार करें।
भले ही तू मुझे रोक ले, परन्तु मैं तेरे भोजन में से कुछ नहीं खाऊँगा। और यदि तू होमबलि तैयार करेगा तो मैं उसे यहोवा को दूँगा।
मानोह नहीं जानता था, कि वह यहोवा के दूत से बात कर रहा था।
तू अपना नाम बता, ताकि जब तेरी बातें पूरी हों तब हम तेरा आदरमान कर सकें।
तू मेरा नाम क्यों पूछता है? यह तेरी समझ से परे है।
मानोह ने बकरी का एक बच्चा और अन्नबलि लेकर चट्टान पर यहोवा के लिये चढ़ाया।
जब लौ उस वेदी पर से आकाश की ओर उठ रही थी, तब यहोवा का दूत उस वेदी की लौ में होकर ऊपर चला गया।
मानोह और उसकी पत्नी भूमि पर मुँह के बल गिर गए।
हम निश्चय मर जाएँगे!
हमने परमेश्वर को देखा है।
अगर यहोवा हमें मारना चाहता, तो हमारे हाथ से होमबलि और अन्नबलि ग्रहण न करता, और न वह ऐसी सब बातें हमको दिखाता, और न वह हमें ऐसी बातें सुनाता।
और समय आने पर दूत की बात सच साबित हुई और उस स्त्री ने बालक को जन्म दिया और उसका नाम शिमशोन रखा।
बालक बड़ा हुआ, और प्रभु ने उसे आशीष दिया, और प्रभु का आत्मा उसे उभारने लगा...

...20 वर्षों बाद
याकूब, क्या तूने कभी ऐसी मनभावन खूबसूरती को देखा है?
मुझे पता था कि मुझे हल की फाल खरीदने के लिए तुझे अपने साथ नहीं लाना चाहिए था। इन पलिश्ती नगरों में कभी कुछ अच्छा हो ही नहीं सकता है
मैंने ठीक ही कहा... यहाँ कभी कुछ अच्छा हो ही नहीं सकता है।
निश्चित ही मुझे अपने लिए कोई मिल गई है।
तू ठीक नहीं सोच रहा है। यहोवा नहीं चाहता है कि हम इन परदेशियों से विवाह करें।
तेरे माता- पिता इसे कभी स्वीकार नहीं करेंगे।
क्या हमारे अपने लोगों में कोई स्वीकार करने योग्य स्त्री नहीं है?
क्या तुझे पत्नी ढूँढने के लिए खतनारहित पलिश्तियों के पास जाना चाहिए?
शिमशोन... यहाँ बहुत सारी सुंदर इस्राएली कुंवारियाँ हैं।
उसे मेरे लिए ला।
वह मेरे लिए ठीक है।
वह हमेशा से ही बहुत हठी रहा है।
यह ही इसकी समस्या है। इसे कम हठी और अधिक बुद्धिमान होना चाहिए।
मुझे यह सब ठीक नहीं लगता है।
लेकिन उसके माता पिता नहीं जानते थे कि यह यहोवा की ओर से है, वह पलिश्तियों का सामना करने का मौका ढूँढ रहा था; उस समय पलिश्ती इस्राएल पर प्रभुता करते थे।

एक दनि जब वह पलशि्तियों के पास जा रहा था, तब रास्ते में...
उस पर एक सहि ने हमला कर दयिा।
लेकनि उसने अपने महा-बल से...
...सहि को मार दयिा।
तब शमिशोन ने दुबारा से तमि्नाह जाकर उस सत्री से बातचीत की और वह उसको अच्छी लगी।
इसे हमारी ओर से ववािह की अनुमत‍ि है।
लेकनि ववािह अवश्य ही हमारे यहाँ होना चाहएि, हमारे लोगों के बीच में।
यह बलिकुल वही पुरुष है जसि मैं ढूँढ रहा था।

न्यायियों 14:5-7

ठीक है, हम विवाह में जायेंगे।
हमें इन मूरतपूजकों के साथ विवाह नहीं करना चाहिए था, लेकिन हमें यह पता है कि तूने इन्हीं में विवाह करने का फैसला कर लिया है।
तू विवाह की भोज की तैयारी के लिए तिम्नाह चला जा। हम एक- दो दिन में तुझसे वहीं मिलेंगे।
पलिश्तियों के तिम्नाह के रास्ते में...
उसने पाया कि एक सिंह मारा हुआ है और अब उसकी लोथ अर्थात लाश पर मधुमक्खियाँ और मधु है।
स्वादिष्ट...
स्वादिष्ट भोजन को छोड़कर खराब करने में समझदारी नहीं है।
*सिंह की लोथ से शिमशोन का संपर्क होना का मतलब था नाज़ीर शपथ को तोड़ना।
मेरे बेटे, तेरे पास कुछ **बहुत** मीठी शहद है।

न्यायियों 14:8-9

उस समय दूल्हे के लिए यह रिवाज था कि वह *विवाह के लिए भोज दे।
*यहूदी शब्द 'मिष्ते'- एक प्रकार का भोज, जिसमें मुख्य रूप से मदिरा का सेवन किया जाता था, यह एक और नाज़ीर शपथ का टूटना था।
पलिश्तियों ने समारोह के लिए 30 पलिश्ती पुरुष दिए।
मैं तुम से एक पहेली पूछता हूँ।
यदि तुम इस भोज के सातों दिनों के भीतर उसे समझकर अर्थ बता दो, तो मैं तुम को तीस कुर्ते और तीस जोड़े कपड़े दूँगा।
और यदि तुम उसे न बता सको, तो तुम को मुझे तीस कुर्ते और तीस जोड़े कपड़े देने पड़ेंगे।
हम से अपनी पहेली पूछ।
चलो सुनते हैं।
खानेवाले में से खाना; और बलवन्त में से मीठी वस्तु निकली।
...कोई मीठी वस्तु।
इस यहूदी ने हमें चतुराई में मात दे दी।
चार दिनों तक पलिश्तियों ने बहुत कोशिश की लेकिन वे पहेली का जवाब नहीं दे पाए।
यह यहूदी यहाँ आता है और हमें मूर्ख बनाता है।
काश, हम भी उसे मूर्ख बना सकते।

हे स्त्री, पलिश्तियों के राजाओं ने तुझसे मिलने का निवेदन किया है।
मुझसे?!
हम तुझसे यह आग्रह नहीं कर रहे हैं... तुझे यह आदेश दे रहे हैं।
अपने यहूदी प्रेमी से बहला-फुसला कर उस बेकार सी पहेली का जवाब पूछ।
कोई परदेशी यहाँ पर आकर हमें मूर्ख नहीं बना सकता है।
...हमसे लूट के नहीं जा सकता है।
मैं नहीं कर सकती... उसने किसी को नहीं बताया है, मुझे भी नहीं।
या वह हमें पहेली का अर्थ बताए, नहीं तो हम तुझे और तेरे पति के परिवार को आग में जलाएँगे।
तेरे पास यही विकल्प हैं।
ऊऊऊ... ऊऊऊ
तू मुझसे घृणा करता है! तू वास्तव में मुझसे प्रेम नहीं करता है। तूने मेरी जाति के लोगों से एक पहेली पूछी है, परन्तु तूने मुझे उसका जवाब नहीं बताया है।
मैंने उसे अपनी माता या पिता को भी नहीं बताया, फिर मैं तुझे क्यों बताऊँ?
...तो शिमशोन ने हार मान ली और उसे पहेली का जवाब बता दिया।

ववाहि भोज का अंतमि दनि।
मधु से अधकि मीठा क्या है?
सहि से अधकि क्या बलवन्त है?
यदि तुम मेरी कलोर को हल में न जोतते, तो मेरी पहेली को कभी न बूझते।
फरि भी, तुझे तेरे 30 कपड़े मलिंगे।
शमिशोन दनि और शाम के बचे हुए समय में उस इलाके में गया और पलशि्ती लोगों को तब तक पटिा और उनका धन लूटा और उनके सुन्दर कपड़े लिए – जब तक उसके पास तीस कपडे नहीं हो गए।
आआअरगहह
योओओ!
राक्षस!!
तेरी तो...
मेरा हसिाब पूरा हो गया।
शमिशोन गुस्से में वहाँ से नकिल गया और अपने पति के घर लौट आया।

मैं अपनी पत्नी से मिलने आया हूँ।
मुझे... मुझे... यह लगा कि तू उससे बहुत बैर रखता है, इसलिए मैंने उसका तेरे साथी से विवाह कर दिया।
क्या उसकी छोटी बहन उससे अधिक सुन्दर नहीं है? उसके बदले इस से विवाह कर ले।
अब मेरा हक है कि मैं पलिश्तियों से इसका बदला लूँ; मैं अब इनको चोट दूँगा।
उसने तीन सौ लोमड़ियाँ को पकड़कर, दो-दो लोमड़ियों की पूँछ एक साथ बाँधी, और पलिश्तियों के खेतों को बर्बाद कर दिया...
...उसने ठीक वैसा ही बदला लिया जैसा उसने कहा था।

यह किसने
किया है?
यह इस्राएली शिमशोन
ने किया है- वह जिसके
साथ तिम्नाह की बेटी का
विवाह तय हुआ था।
उसने ऐसा
इसलिए किया
क्योंकि जिससे उसका
विवाह तय हुआ था उसका
विवाह उसके दोस्त के
साथ कर दिया गया।
इस युवा ने उसे नगर से
भागकर पहाड़ी इलाके जहाँ
लोमड़ी की गुफाएँ हैं, वहाँ
जाते देखा है।
आग का बदला
आग है।
हमें बाहर
आने दे- हमें बाहर
आने दे!
ईईआयाया!
हमारी
सहायता कर – हम
पर दया कर!
अब, चलो देखते हैं
कि शिमशोन क्या
कहता है।
अआयाया!
शिमशोन ने पलिश्तियों पर अचानक
हमला कर दिया, और कई लोगों
को मार डाला।
अपनी होने वाली पत्नी के
परिवार की हत्या का बदला
लेकर, वह एताम नामक
चट्टान की एक गुफा में
रहने लगा।

न्यायियों 15:6-8

सतर्कता दिखाते हुए, पलिश्तियों के राजाओं ने शमिशोन को वापस लाने और उसका न्याय करने के लिए पैदल सैनिकों की एक सेना भेजी।
तुम हम पर चढ़ाई करने के लिए इतनी बड़ी सेना लेकर क्यों आए हो?
हमारी लड़ाई तुमसे नहीं है। हम यहाँ पर शमिशोन को पकड़ने आए हैं।
हम उसके साथ वही करेंगे जैसा उसने हमारे साथ किया है।
हम उसे तुम्हारे हवाले करने के लिए जो भी कर सकते हैं वो करेंगे।
बहुत अच्छा - इस समय... हम बस यही चाहते हैं।
क्या तू नहीं जानता कि पलिश्ती हम पर प्रभुता करते हैं।
फिर तूने हमारे साथ ऐसा क्यों किया है?
उन्होंने पहले ही हमारे हथियार ले लिए हैं – वे हमें मार देंगे।
जैसा उन्होंने मेरे साथ किया था, मैंने उनके साथ वैसा ही किया है।
इस्राएलियों को यह नहीं पता था कि भले ही पलिश्तियों ने उनकी तलवारें और भाले छीन लिए हों- लेकिन परमेश्वर ने उन्हें शमिशोन के रूप में बहुत अधिक शक्तिशाली हथियार दिया था।

हमें क्षमा कर, लेकनि हम तुझे बाँधकर पलशि्तियों को देने के लएि आए हैं।
हमारे पास दूसरा कोई वकिल्प नहीं है- हमें अपने लोगों - और अपने परविारों को बचाने के लएि ऐसा करना होगा।
अगर पलशि्ती तुझे नहीं ढूँढ पाए तो वे हम सब को मार देंगे।
मुझसे यह शपथ लो क तिुम लोग मुझे नहीं मारोगे।
मैं शपथ लेता हूँ।
केवल हम तुझे बांधकर उनके हाथ में सौंप देंगे। हम तुझे नहीं मारेंगे।
फरि उन्होंने उसे दो नई रस्सयिों से बाँध दयिा...
...और उसे उस चट्टान में से ले गए।
ईईआआ!
उसे मार दो !
नहीं- उसे जनि्दा पकड़ो!
हाँ- ताक हिम उसे धीरे-धीरे मार सके!

यहोवा का आत्मा उस पर बल से उतरा।
उसकी बाँहों की रस्सियाँ आग में जले हुए सन के समान हो गईं, और उसके हाथों के बन्धन टूट गए।

न्यायियों 15:14-15

गदहे के जबड़े की हड्डी से मैंने उनको गदहा बना दिया।
गदहे के जबड़े की हड्डी से मैंने हजार पुरुषों को मार डाला।
उस स्थान का नाम रामत-लही रखा गया-जबड़े की हड्डी से मारा।
वह कोई मनुष्य नहीं था-वह एक दानव था!
उसने एक ही समय पर तीन, चार लोगों को मार डाला।
हम उस तक नहीं पहुँच पाए। लोथ उसके चारों ओर दीवार की भाँती खड़े हो गए। हमारे भाले हमारे ही लोगों को मारने लगे।
इस क्रूर सिह का शिकार करके मारा गया होगा।
मेरे स्वामियों - उसे छोड़ दे-हमारी भूमि को अब और शापित मत कर। अब और पलिश्तियों जिसने शिमशोन को घेर रखा है उनको इस यहूदी देवता के लिए बलिदान न होने दे।
और परमेश्वर ने फिर से पलिश्तियों से छुटकारा दिलाया।

न्यायियों 15:16-17

न्यायियों 15:20 - नीतिवचन 7:25-27

शमिशोन यहाँ है- हमारे शहर में!
चक्की के मालकि यरूब ने उसे उस वेश्या के घर में जाते देखा जो कपड़े के बाज़ार के पास रहती थी।
बहुत अच्छा। अब तो हमें उसके पीछे जाने की भी आवश्यकता नहीं है। हमारे देवता स्वयं ही उसे यहाँ ले आया है।
हम भोर तक उसकी प्रतीक्षा करेंगे, फरि जैसे ही वह घर से बाहर आता है हम उसे पकड़ लेंगे- इसके लिए हम सब साथ होने जरुरी है।
vउसने नगर के फाटक के दोनों पल्लों और दोनों बाजुओं को पकड़कर बेंड़ों समेत उखाड़ लयिा।
अपने कंधों पर रखकर उन्हें ले गया...
..उन्हें उस पहाड़ की चोटी पर ले गया, जो नगर के सामने है।
वह मनुष्य नहीं हो सकता है।
...या हो सकता है उसका परमेश्वर वास्तव में सर्वशक्तशिाली और महान है।
चाहे जो भी हो.. चाहे वह मनुष्य हो या देवता... उसे रोका जाना चाहएि।

न्यायियों 16:1-3

ऐसी महलिाएँ गाँव में नहीं होती है।
तू ऐसा फरि से कह सकता है।
चलो उनके बारे और पता करते हैं।
देखो, ये कुत्ते क्या ढूँढ़ रहे हैं।
गाँव वाले लड़के। यहाँ कहीं आस पास खेत-खलहिान नहीं है।
तू ठीक से देख... वे पुरुष हैं, खासकर वह बीच वाला।
हम तेरी सहायता कैसे कर सकते हैं?
हमने अभी अपने अनाज बेचे है और उत्सव होते देखा, बस यहाँ के कुछ नविासियों से मलिना चाहते थे।
और यह शुरुआत करने के अच्छा स्थान लगा।
तो क्या पलश्तियों ने तुझे अनाज के बदले सही दाम दएि हैं?
नहीं, लेकनि हमने भी उन्हें सही वजन नहीं दयिा। हमें पता है पलश्ति लोग हमेशा दाम कम करने की कोशशि करते हैं।
शायद इसे आपसी समझदारी कहा जा सकता है।
तू समझदार है।
तुम इसे अनुभव भी कह सकते हो।

क्या तुम साथ में टहलना चाहते हो?
क्या उसके था जिसका नाम तक मुझे नहीं पता है?
मेरा नाम शिमशोन है - तो अब तुम मेरा नाम जानते हो।
शिमशोन...वही जिसने हमारी आधी पलिश्ती सेना को ध्वस्त कर दिया था?
उन्होंने स्वयं ही ऐसा करवाया था।
हमारे सरदार कहते हैं तेरे पास देवताओं की शक्ति है।
तेरे साथ टहलने जाना खतरनाक हो सकता है।
खतरनाक नहीं... मजेदार हो सकता है।

शगूल और कुछ दूसरे सरदार तुझसे बात करना चाहते हैं...
यह सच है- सोरेक की घाटी पलश्तियों की भूमि पर सबसे सुंदर फल देती है।
और मनमोहक भी...
मगर हम यहाँ तेरी सुंदरता को सराहने नहीं आए हैं। हम इसे करिये पर लेने आए हैं।
तू वह कर सकती है जो हमारे सबसे अच्छे 1,000 सैनिकों नहीं कर पाए - शमिशोन को काबू में करना।
हम जानते हैं उसने कुछ रातों पहले यहाँ रात पर बिताई थी।
शमिशोन पर काबू पाना उस सहि को काबू पाने से कम नहीं होगा जो हमारी घाटी में उतपात करता घूमता रहता है।
लेकनि कम-से-कम वह पहाड़ों से नीचे तो आया और हम उसे देख पाए।
हम तुझे उसे काबू में करने के बदले धन देंगे।
जंगली जानवरों को काबू में करना खतरनाक है। तुम जानते हो ककिभी-कभी जो काबू करने वाले होते है वे भी मारे जाते हैं।
हम इसे जोखमि लेने के योग्य बनाने के लिए कुछ भी करने को तैयार हैं।
कैसा जोखमि-कौन सा पुरुष दलीला के बाँहों में नहीं आना चाहेगा?
कतिने?
अगर तू शमिशोन को वश में करके हमारे हवाले कर दे तो तुझे ग्यारह सौ टुकड़े चाँदी देंगे।
...हम सब की तरफ से ग्यारह-ग्यारह सौ टुकड़े चाँदी।

न्यायियों 16:5

शमिशोन, तेरी बाँहें कतिनी मज़बूत और शक्तशिली है।
पक्का ही बहुतों को इससे जलन होगी।
खेत में काम-काज करने से ऐसा शक्तशिली बना हूँ।
इतना बलशाली होने के लएि खेत में काम-काज करने से कुछ अधकि करना होगा। यहाँ बहुत सारे खेत-खलहिान में काम करने वाले लोग हैं मगर वे फाटक के दोनों पल्लों को बेंड़ों समेत नहीं उखाड़ सकते हैं।
ताँतें ... ये ज़रूर नई तांतें होंगी। यदकोई मुझे इससे बांधे,
तो मेरा बल घट जाएगा, और मैं साधारण मनुष्य सा हो जाऊँगा।
शमिशोन- पलश्तिी तेरी घात में हैं!

न्यायियों 16:6-9

तू परेशान क्यों है- वह मैं हूँ जिस पर पलिश्तियों ने हमला करने की कोशिश की थी।
हे पुरुष- तू कुछ नहीं जानता है!
मैं भली-भांति जानता हूँ कि मुझे अपना सिर कन्धों से ऊपर रखना है अर्थात जीवित रहना है।
शिमशोन, महिलाएँ करीबी रिश्ता चाहती हैं। हम चाहती हैं की हमारे पुरुष हमसे उनके भेद बताएँ- उनके मन के सारे भेद।
हमारा रिश्ता गहरा कैसे हो सकता है जब तू मुझे सच-सच यह नहीं बताता है कि तुझे कैसे बाँधा जा सकता है?
अगर हमें नज़दीक आना है तो हमें आपस में सभी बातें साझा करनी पड़ेंगी।
मैं तुझे अपनी महान बल का रहस्य बताता हूँ।
यदि मैं ऐसी नई-नई रस्सियों से जो किसी काम में न आई हों कसकर बाँधा जाऊँ, तो मेरा बल घट जाएगा, और मैं साधारण मनुष्य के समान हो जाऊँगा।
अब मेरा मन तेरा है...
आओ प्रेम में डूब जाते हैं, मैं वास्तव स्वयं को तेरे **करीब** महसूस करती हूँ।
अगली सुबह...
शिमशोन - पलिश्ती तेरी घात में हैं!
...लेकिन शिमशोन ने रस्सियों को धागे की भाँती तोड़ दिया।

न्यायियों 16:10-12

आखरि बात क्या है- तूने कुछ खाया ही नहीं।
क्या तुझे कुछ और चाहिए-तुझे जो भी चाहिए- शमिशोन तेरे लिए लाएगा।
मुझे जो चाहिए- तू मुझे नहीं दे सकता है।
प्रेमियों के बीच में गहरा संबंध होना चाहिए- और आपस में सब कुछ साझा करना चाहिए।
मैं तेरे साथ हमबसि्तर हुई - लेकनि तू मुझे अपने मन का भेद नहीं बताता है।
तूने हमारे संबंध का मज़ाक उड़ाया है।
मैंने सोच लयिा मैं तुझसे मलिना बंद कर दूँगी और अपने लोगों में ही ववििाह करुँगी - पलशि्तियों से।
...मैं ही **मूर्ख** थी क मिैंने स्वयं को तेरे जैसे पुरुष के साथ जोड़ा।
मैं तुझे बताना नहीं चाहता था क्योंक मिैंने कसिी को नहीं बताया है।
मेरे बालों में वह रहस्य है।
यद तिू मेरे सरि की सातों लटें ताने में बाँध सके तो मैं साधारण मनुष्य के समान कमजोर हो जाऊँगा।
हे शमिशोन, अब मैं सच में स्वयं को तेरे नकिट महसूस करती हूँ, क हिम एक दूसरे को सच में जानते हैं।
आ हम एक-दुसरे के प्रेम का आनंद लें।
शमिशोन- पलशि्ती तेरी घात में हैं!
लेकनि पहले के समान ही, शमिशोन ने पलशि्तियों को हराया।

रो मत, देख मैंने किसी को नहीं बताया।
क्या मैं तेरे लिए 'किसी' हूँ!!!
अगर तूने मुझसे सच्चा प्रेम किया होता - तो हमारे बीच कोई रहस्य न रहता।
वह रोज़ उसे ताने मारती और उकसाती रही...
...इतना कि उसे मरना बेहतर लगा।
मेरे सिर पर छुरा कभी नहीं फिरा, क्योंकि मैं माँ के पेट ही से परमेश्वर का नाज़ीर हूँ।
यदि मुझे मुँण्ड़ा जाए, तो मेरा बल इतना घट जाएगा, और मैं साधारण मनुष्य के समान हो जाऊँगा।
दलीला यह जानती थी कि उसने अपने मन का सारा भेद मुझसे कह दिया है, तो दलीला ने पलिश्तियों के सरदारों के पास कहला भेजा।
अब की बार फिर आओ, क्योंकि उसने सब कुछ मुझे बता दिया है।
बेहतर होगा कि ऐसा ही हो।

न्यायियों 16:15-18

यह बहुत थकाने वाला दनि था, मेरे प्रयि, तू मेरी गोद में क्यों नहीं सो जाता है।
हाँ, मुझे सोना चाहिए...
सो रहा है...
सो रहा है, सो रहा है, सो गया... और यह लम्बे समय के लिए सोना चाहिए।
उसके बाल - शमिशोन में परमेश्वर की महान बल का प्रतीक - दलीला के आदेश से काट दिए गए।
बलशाली सिंह अब एक दुर्बल बकरी के बच्चे सामान हो गया।
मैं पहले के समान बाहर जाकर झटकूँगा और छुट जाऊँगा।
शमिशोन- पलिश्ती तेरी घात में हैं!
लेकिन शमिशोन यह तो न जानता था, कि प्रभु उसकी अवज्ञा के कारण उसके पास से चला गया है।

न्यायियों 16: 19-20

क्या...?!
उसको पकड़कर लाओ।
यहूदी कुत्ते, हमने देखा था कि तूने हमारे लोगों के साथ क्या कयिा- अब तू नहीं देख पाएगा!
याआआह!
दलीला, अपना इनाम ले।
यह यहूदी गदहा अब आगे कभी हमारे लोगों के लिए विपत्ति नहीं बनेगा, यही मेरा इनाम है।
शमिशोन केवल एक ही वपित्ति को पहचानेगा और अब वह होगी उसके स्वामी के द्वारा दी गई वपित्ति। वहाँ पर शमिशोन गदहे के समान चक्की को पसिता रहेगा।

न्यायियों 16:20-21

हे परमेश्वर,
यह मैंने क्या
कर दिया...
हे परमेश्वर,
मुझे कृषमा कर...
तुझे भूलने के लिए।
...और मैं वह
नहीं कर रहा
जसिके लिए मेरी
बुलाहट थी।
अआह!
धक्का दे,
यहूदी गदहे!
हे परमेश्वर,
मैंने वह सारे वरदान फेंक
दिए जो तूने मुझे दिए थे।
हे परमेश्वर,
मुझ पर दया कर।

नयायियों 16:21

लेकनि आखों की रौशनी जाने के बाद,
शमिशोन ने पहली बार देखना शुरू कयिा।
हे यहोवा, तूने मुझे वरदान दयिा था और मैंने उसे गलत कामों में उड़ा दयिा।
मुझे क्षमा कर दे।
लेकनि शमिशोन के बाल फरि से बढ़ने लगे।
लेकनि उससे भी ज़्यादा ज़रूरी- उसमें आज्ञाकारिता वापस आई, और उसका बल वापस आने लगा।
हे परमेश्वर, मेरी प्रार्थना सुन, फरि से मुझे काम में ले।
मैं गरि गया हूँ, तू मुझे उठा।
और मुझे फरि से बलशाली बना... तेरे लएि।
मुझे एक और मौका दे।
...तेरी इच्छा पूरी करने के लएि एक मौका।

न्यायियों 16:22

यहूदी कुत्ते खड़ा हो!
ओह।
अब तू कुछ असली काम कर सकता है।
आज हम दागोन का पर्व मनाते हैं...
तू... मनोरंजन करने वाला है!
देखो- वह किसी अंधे चूहे जैसा दखिता है!
हाँ, हाँ सही कहा।

न्यायियों 16:22-25

हाँ!!
दागोन ने हमारे दुश्मनों को वश में कर लिया है!
इसने हमारे साथ जो किया है- उसके लिए इसे भुगतान करने दो।
इस यहूदी कुत्ते को मार दो!

यह एक उल्लास का दनि होगा चाहिए।
शमिशोन को हमारे धुन पर नाचने दो।
अवश्य, मेरे स्वामी!
हाँ - अभी हम बात कर रहे हैं।
और अब हमारे पास कुछ अच्छा मनोरंजन है!
वेक!
इतना बलशाली आदमी कैसे गरि गया।
शमिशोन, तेरा बल अब कहाँ है?
हाँ- यही देखने के लएि हम आए हैं!

हमारे देवता ने हमारे शत्रु और हमारे देश का नाश करनेवाले को, जिसने हम में से बहुतों को मार भी डाला, हमारे हाथ में दे दिया है।
शमिशोन, तेरा परमेश्वर अब कहाँ है?!
तू बहुत बेकार है। मुझे लगा कि तू लोगों को कुछ अच्छा दिखाएगा।
शमिशोन को यहाँ से ले जाओ।
खेलों के बाद हम उसे फिर से मनोरंजन के लिए बाहर निकालेंगे।
मुझ पर एक एहसान करो।
क्या?
मुझे उन खम्भों को, जिनसे घर सम्भला हुआ है छूने दे, कि मैं उस पर टेक लगाऊँ।
हे प्रभु यहोवा, मेरी सुधि ले।
हे परमेश्वर, अब की बार और मुझे बल दे, कि मैं पलिश्तियों से अपनी दोनों आँखों का एक बार में ही बदला लूँ सकूँ।
मुझे पलिश्तियों के साथ ही मरने दे।

अआयाया!
नहीं!

न्यायियों 16:30

तबाही में करीब तीन हजार स्त्री और पुरुष मारे गए।
जतिने लोग शमिशोन ने अपने जीते जी नहीं मारे उससे कहीं अधकि उसने अपनी मृत्यु पर मारे।

न्यायियों 16:30

उसके भाई और उसके पिता के सारे घराने के लोग उसे लेने आए।
"धोखे में न रह। परमेश्‌वर का कभी उपहास नहीं उड़ता है।
मनुष्य वही काटता है जो वह बोता है।"
उसे उसके पिता मानोह की कब्र में दफनाया गया।

न्यायियों 16:31

न्यायियों 16:31, नीतिवचन 7:21-23

शमिशोन की मृत्यु के बाद लोग करने
लगे "जो उनके अनुसार सही था।"
उन्होंने आराधना के लिए
अपनी वस्तु भी बनाई।
मीका नाम के पुरुष को उसकी माँ में जो
चाँदी दयिा था उससे उसने मूर्त‍ि बिनाई।
और उसने गर्व से उस मूर्त‍ि को अपने घर
के देवस्थान में रखा।
उसने अपने बेटे का संस्कार करके उसे अपना पुरोहति ठहरा लयिा-
जबक‍ि परमेश्वर ने स्पष्ट नर्दिेश दए‍ि थे क‍ि कोई पुरुष
पुरोहति कैसे बनेगा।
कुछ ही समय बाद, बैतलहम से
एक लेवी मीका के यहाँ आया।
लेवी वे लोग थे जन्हिें मूसा ने पुरोहति बनने को कहा था।

लेकनि इस लेवी ने पुरोहति के लिए बनाये गए नगर को छोड़ कर परमेश्वर की अवज्ञा की।
और साथ ही वह गलत कारण के लिए पुरोहति बना...
कृप्या - मेरे लयि पुरोहति बन जा।
मैं तुझे चाँदी, कपडे और भोजन दूँगा- मेरे लयि पुरोहति बन जा।
इसलिए मीका का पूरा परविार और कई लोगों के समान, उसी तरह आराधना करते थे जसि तरह वे चाहते थे, उस तरह नहीं जसि तरह मूसा ने नर्दिेश दिए थे।
लेकनि जल्द ही मीका को मूर्तपिूजा में प्रतस्पिर्धा मलिने वाली थी।
तुझे यहाँ कौन ले आया और तू यहाँ पर क्या करता है?
मीका ने मुझे यहाँ पर रखा है और मैं उसका पुरोहति हूँ।

अगर तू एक पुरोहित है तो- हमें बता। हमारी यात्रा सफल होगी या नहीं?
कुशल से चले जाओ। तुम्हारी यात्रा पर प्रभु की कृपादृष्टि है।
वे लोग भेदी थे और देश देखने आए थे।
ये भेदी इस्राएल के दान गोत्र के थे और जब उन्हें लैश शहर मिला, तब उन्हें वह मिला जिसकी वे तलाश कर रहे थे।
हमें लैश पर हमला कर देना चाहिए। लोग सावधान नहीं हैं।
यह एक ऐसा स्थान है जिसमें किसी भी प्रकार की घटी नहीं है।
और हमें कुछ और मिला...
चलो हम देखते हैं कि तूने क्या ढूँढा है।

इनके घरों में एक एपोद, कई गृहदेवता, एक खुदी और एक ढली हुई मूरत है।
तू कसि का इंतजार कर रहा है?
तू क्या कर रहा है?
कुछ न बोल- हमारे साथ आ और हमारा पुरोहति बन जा।
क्या एक व्यक्ता की सेवा करने से अच्छा एक गोत्र या वंश की सेवा करना नहीं है?
वह लेवी जसिने मीका का पुरोहति बनने के लिए अपने वशि्वास को बेच दयिा था, उसने दुबारा से स्वयं को दानी सैनकि को बेच दयिा।
ठहर!

तू हथियार के साथ बाहर क्यों आया है?
तू ऐसा कैसे पूछ सकता है?
तुम ने तो मेरे देवताओं और पुरोहित को लिया है - फिर मेरे पास क्या रह गया है?
तेरा बोल हम लोगों में सुनाई न दे, कहीं ऐसा न हो कि मेरे क्रोधी जन तुम लोगों पर प्रहार करें और तू अपना और अपने घर के लोगों के प्राण खो दे।
मीका यह देखकर कि वे उससे अधिक बलवन्त हैं अपने घर लौट गया और दानी नए पुरोहित के साथ बने रहें।

जैसे कि योजना बनाई गयी थी, दानियों ने शहर पर हमला किया और उसका विनाश कर दिया।
दानी वहाँ बस गए और अपने पूर्वजों के याद में उस शहर का नाम दान रखा।
यह अधर्म - और आत्मिक धर्म-त्याग का समय था।
यहाँ तक कि मूसा के पोता ने भी दान की जाति के लिए पुरोहित के रूप में सेवा की और मूर्ति पूजा में उनका अगवाई किया।
परमेश्वर की अवज्ञा करने से वे अपनी पूरी भूमि पर बहुत बड़ी हिंसा और पाप लाए।

उन पुरोहितों को, जनिको लोगों की अगवाई करनी थी, उन्होंने स्वयं परमेश्वर के वचनों की अवज्ञा की थी।
एक लेवी ने एक रखैल रखी जो उसके प्रत विश्विासयोग्य नहीं थी। वह अपने पति के घर चली गई।
लेवी उसे वापस लेने के लिए उसके पति के घर पहुँचा।
वह उसे समझा-बुझाकर अपने साथ लाने में सफल हुआ।
सूरज ढलने को है; चल हम रात को यरूशलेम में ही ठहर जाते हैं।
नहीं, हम पराए नगर में जहाँ कोई इस्राएली नहीं रहता, नहीं रुकेंगे।
हम बन्यामीन के गबा में रुकेंगे। हो सकता है वहाँ हमें कोई रुकने के लिए स्थान दे दे।

तू कधिर जा रहा है, और कहाँ से आया है?
हम लोग तो बैतलहम से आए है और वापस परमेश्वर के भवन की और जा रहे हैं।
हमारे पास जानवरों के लिए पुआल है लेकनि कसिी ने भी हमें अंदर नहीं आने दयिा।
मेरे घर में तुम्हारा सुवागत है। चाहे जो भी हो- रात चौक में न बतिा।
तुम्हारे गदहे वहाँ ठीक रहेंगे और तुम मेरे घर के अंदर सुरक्षति रहोगे।

BAM BAM
जो पुरुष तेरे घर में आया है, उसे बाहर ले आ, ताकि हम उसके साथ भोग करें।
हे मेरे दोस्तों, ऐसी बुराई न करो।
वह मेरा मेहमान है, ऐसी मूरखता का काम मत करो।
यह ले - तुम मेरी बेटी को ले सकते हो - और इस आदमी की रखैल को भी।
अपने घर के सब को बचाने के बजाय, उस आदमी में उनको उन्हें दे दिया।
नहीं, हमें वह पुरुष ही चाहिए, अब उसे बाहर ला वरना हम अंदर आकर उसे नकिालते हैं।

न्यायियों 19:22 - 25

ले- तू इसे ले सकता है।
नगर के दुष्ट लोग रात भर उसके साथ लीलाक्रीड़ा करते रहे।
तब वह स्त्री पौ फटने तक वहीं पड़ी रही।
उठ हम चलें।
"उसको गदहे पर लादे और हम चलें।"
जब वह अपने घर पहुँचा, तब उसने उस स्त्री को बारह टुकड़े में काट दिया और दूत को इस्राएल के बारह गोत्रों के पास भेजा।
हमारे साथ मस्रि देश से चले आने के बाद से आज तक ऐसा कुछ नहीं हुआ था, हम इस बारे में क्या करने वाले हैं।

हमें यह बताओ कयिह बुराई कैसे हुई?
गबिा के पुरुषों ने मुझ पर चढ़ाई की और और मेरी रखैल से इतना कुकर्म कयिा कविह मर गई।
सब के सब इस्राएल के पुरुष देखो, और यहीं पर अपनी सम्मतदिो।
हम में से कोई भी अपने घर नहीं जाएगा।
गबिा ने जो इस्राएल के साथ कयिा है उसका पूरा फल उन्हें दयिा जाएगा।
अब उन गबिावासी लुच्चों को हमारे हाथ कर दो, कहिम उनको जान से मार के इस्राएल में से बुराई का नाश करें।
हम नहीं देंगे- वे हमारे बन्यिामीन साथी हैं।
बन्यिामीनयिों ने अपने लोगों में से सात सौ बयंहत्थे चुने हुए पुरुष थे, जो सब के सब ऐसे थे जो पत्थर मारने में बाल भर भी न चूकते थे।
अगवों ने प्रार्थना की थी और परमेश्वर ने युद्ध में पहले यहूदा के गोत्र को भेजने का नर्दिेश दयिा।
लेकनि युद्ध अच्छा नहीं रहा और यहूदा की सेना पराजति होकर... भरी हानि के साथ वापस लौट आई।

युद्ध में पराजय के दूसरे दिन के बाद इस्राएलियों ने प्रार्थना और उपवास किया - तब इस्राएलियों को परमेश्वर ने उनका जवाब दिया।
चढ़ाई कर, क्योंकि कल मैं उनको तेरे हाथ में दे दूँगा।
अगले दिन, इस्राएलियों ने गिबा के चारों ओर लोगों को घात में बैठाया ताकि वे बिन्यामीनियों की सेना को कम कर सके।
इस्राएलियों ने गिबा को जला दिया और बिन्यामीनियों के गोत्र के अन्य नगरों को नष्ट कर दिया।
लोग अपने भाइयों के इतने बड़े नुकसान से बहुत दु:खी हुए।
ऐसा क्यों हुआ, इस्राएल में एक गोत्र की घटी हुई है?
जब हमने सेना को गिना तब यह मालूम हुआ, कि आदेश के अनुसार गिलादी याबेश से कोई छावनी में सभा को नहीं आया था।
उन्हें अपनी प्राण से भुगतान करना होगा - और गिलादी याबेश के जीवित कुंवारी जीवित बिन्यामीन की पत्नियाँ बनेंगी।
"बिन्यामीनियों के 600 पुरुषों के पास जो रिम्मोन नामक चट्टान पर छुपे हुए थे, उनको कहला भेजा, और उनसे संधि का प्रस्ताव दिया। हम बिन्यामीन के गोत्र में रोशनी नहीं होने देंगे।"

तब लोग यह कहकर पछताये, कि इस्राएल के गोत्रों में से एक गोत्र की घटी हुई है। ... लेकिन उन्होंने भी शपथ खाई थी।
वह श्रापति होगा जो किसी बिन्यामीनी से अपनी लड़की का विवाह करें।
हमने बिन्यामीनी के पुरुषों को 400 कुंआरियाँ दी हैं, लेकिन पत्नियों के बिना अभी भी 200 हैं।
"यह शीलो में प्रतविर्ष पर्व का समय है।"
"जब लड़कियाँ नाचने को निकलें, तो तुम हर बिन्यामीनी अपनी-अपनी स्त्री को पकड़कर अपने क्षेत्र को चले जाना।"
और जब उनके पति या भाई हमारे पास शिकायत करने को आएँगे, तब हम उनसे कहेंगे, "उनकी सहायता करके हम पर दया कर।" तुम लोगों ने तो बेटियों का विवाह नहीं किया था, इसीलिए तुम निर्दोष हो।
उन दिनों में इस्राएलियों का कोई राजा न था...
...और जिसको जो ठीक जान पड़ता था वह वही करता था।

SUPERBIBLE.TV